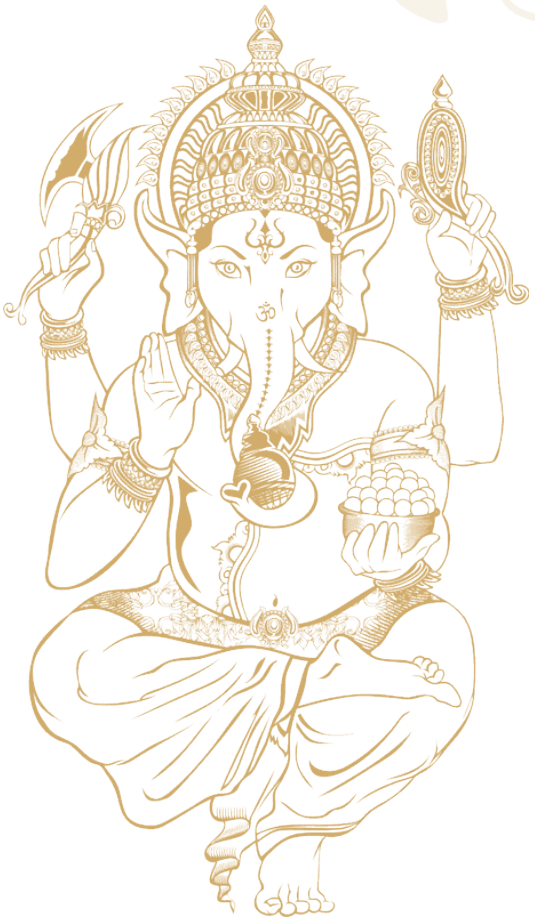

# Ms Chanan

22 Jan 1991

12:33 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121792105

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **22/01/1991** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **12:33:00 घंटे** |
| इष्ट | 13:17:26 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 12:11:52 घंटे |
| वेलान्तर | -00:11:28 घंटे |
| साम्पातिक काल | 20:16:24 घंटे |
| सूर्योदय | 07:14:01 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:51:25 घंटे |
| दिनमान | 10:37:24 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 08:00:48 मकर |
| लग्न के अंश | 22:13:01 मेष |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मेष - मंगल |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **रेवती - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| योग | सिद्ध |
| करण | गर |
| गण | देव |
| योनि | गज |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | दो-द्रोणी |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कुम्भ |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मेष | 22:13:01 | 436:53:46 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | शनि | --- |
| सूर्य | | | मक | 08:00:48 | 01:01:03 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | मीन | 21:32:24 | 13:27:04 | रेवती | 2 | 27 | गुरु | बुध | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | | वृष | 06:32:29 | 00:13:46 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | सम राशि |
| बुध | | | धनु | 15:31:44 | 01:17:07 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | सम राशि |
| गुरु | व | | कर्क | 15:44:36 | 00:07:54 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | गुरु | उच्च राशि |
| शुक्र | | | मक | 27:38:49 | 01:14:58 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | गुरु | मित्र राशि |
| शनि | | अ | मक | 04:26:35 | 00:07:08 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | स्वराशि |
| राहु | व | | मक | 04:16:28 | 00:00:15 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | मित्र राशि |
| केतु | व | | कर्क | 04:16:28 | 00:00:15 | पुष्य | 1 | 8 | चंद्र | शनि | शनि | मित्र राशि |
| हर्ष | | | धनु | 17:14:56 | 00:03:25 | पूर्वाषाढ़ा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | चंद्र | --- |
| नेप | | | धनु | 21:10:49 | 00:02:12 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | --- |
| प्लूटो | | | तुला | 26:21:31 | 00:01:05 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | केतु | --- |
| दशम भाव | | | मक | 08:06:48 | -- | उत्तराषाढ़ा | -- | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:12

## लग्न-चलित

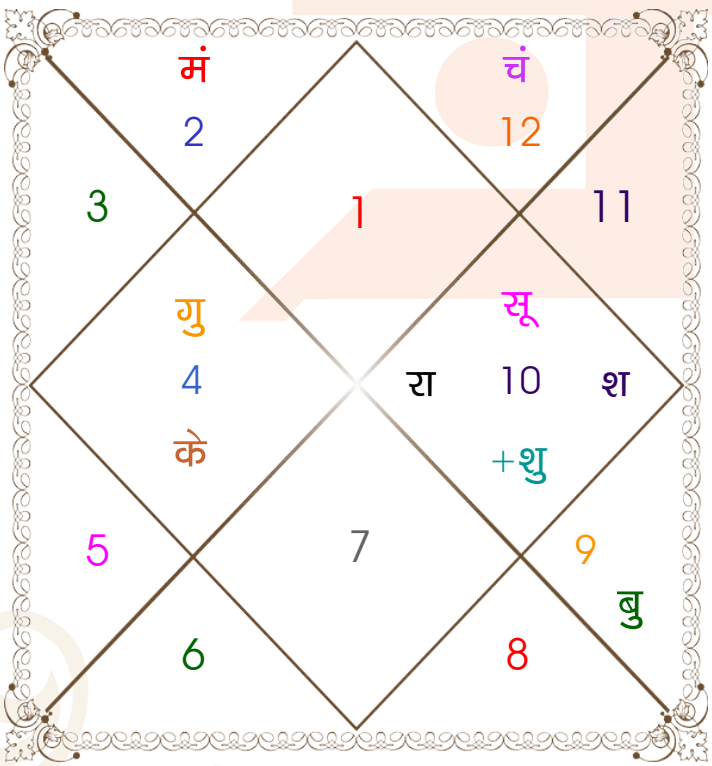


## चन्द्र कुंडली

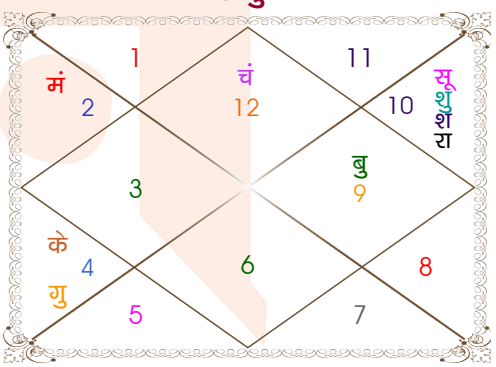


## नवमांश कुंडली

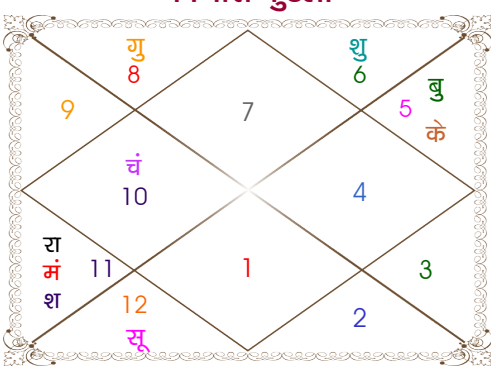

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 9 मास 13 दिन

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/01/1991 | | 05/11/2001 | | 05/11/2008 | | 05/11/2028 | | 05/11/2034 | |
| 05/11/2001 | | 05/11/2008 | | 05/11/2028 | | 05/11/2034 | | 05/11/2044 | |
| | 00/00/0000 | केतु | 03/04/2002 | शुक्र | 06/03/2012 | सूर्य | 22/02/2029 | चंद्र | 05/09/2035 |
| | 22/01/1991 | शुक्र | 03/06/2003 | सूर्य | 06/03/2013 | चंद्र | 24/08/2029 | मंगल | 06/04/2036 |
| शुक्र | 29/01/1991 | सूर्य | 09/10/2003 | चंद्र | 05/11/2014 | मंगल | 30/12/2029 | राहु | 05/10/2037 |
| सूर्य | 06/12/1991 | चंद्र | 09/05/2004 | मंगल | 05/01/2016 | राहु | 23/11/2030 | गुरु | 04/02/2039 |
| चंद्र | 06/05/1993 | मंगल | 05/10/2004 | राहु | 05/01/2019 | गुरु | 12/09/2031 | शनि | 05/09/2040 |
| मंगल | 03/05/1994 | राहु | 24/10/2005 | गुरु | 05/09/2021 | शनि | 24/08/2032 | बुध | 04/02/2042 |
| राहु | 20/11/1996 | गुरु | 30/09/2006 | शनि | 05/11/2024 | बुध | 30/06/2033 | केतु | 05/09/2042 |
| गुरु | 26/02/1999 | शनि | 08/11/2007 | बुध | 05/09/2027 | केतु | 05/11/2033 | शुक्र | 06/05/2044 |
| शनि | 05/11/2001 | बुध | 05/11/2008 | केतु | 05/11/2028 | शुक्र | 05/11/2034 | सूर्य | 05/11/2044 |

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 05/11/2044 | | 05/11/2051 | | 05/11/2069 | | 05/11/2085 | | 06/11/2104 | |
| 05/11/2051 | | 05/11/2069 | | 05/11/2085 | | 06/11/2104 | | 00/00/0000 | |
| मंगल | 03/04/2045 | राहु | 19/07/2054 | गुरु | 24/12/2071 | शनि | 08/11/2088 | बुध | 04/04/2107 |
| राहु | 21/04/2046 | गुरु | 11/12/2056 | शनि | 06/07/2074 | बुध | 19/07/2091 | केतु | 31/03/2108 |
| गुरु | 28/03/2047 | शनि | 18/10/2059 | बुध | 11/10/2076 | केतु | 27/08/2092 | शुक्र | 23/01/2111 |
| शनि | 06/05/2048 | बुध | 06/05/2062 | केतु | 17/09/2077 | शुक्र | 27/10/2095 | | 00/00/0000 |
| बुध | 03/05/2049 | केतु | 25/05/2063 | शुक्र | 18/05/2080 | सूर्य | 08/10/2096 | | 00/00/0000 |
| केतु | 29/09/2049 | शुक्र | 25/05/2066 | सूर्य | 06/03/2081 | चंद्र | 10/05/2098 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 29/11/2050 | सूर्य | 18/04/2067 | चंद्र | 06/07/2082 | मंगल | 18/06/2099 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 06/04/2051 | चंद्र | 17/10/2068 | मंगल | 12/06/2083 | राहु | 25/04/2102 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 05/11/2051 | मंगल | 05/11/2069 | राहु | 05/11/2085 | गुरु | 06/11/2104 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 8 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।